पाठ-१७

वीर कुँवर सिंह

अति लघु उत्तरीय प्रश्न **(1 अंक)**

1. मंगल पांडे को फांसी कब दी गयी थी?

उत्तर- मंगल पांडे को 8 अप्रैल 1857 को फांसी दी गयी थी।

2. कुँवर सिंह का जन्म कब हुआ?

उत्तर- कुँवर सिंह का जन्म सन् 1782 ई० में हुआ था।

3. दानापुर की सैनिक टुकड़ी ने विद्रोह कब किया था?

उत्तर- 25 जुलाई 1857 को दानापुर की सैनिक टुकड़ी ने विर्दोह किया था।

4. अंतिम मुग़ल शासक कौन था?

उत्तर- बहादुरशाह जफ़र अंतिम मुग़ल शासक थे।

5. जगदीशपुर की सेना अंग्रेजो से कब परास्त हुयी थी?

उत्तर- 13 अगस्त 1857 को जगदीशपुर की सेना अंग्रेजो से परास्त हो गयी थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न **(2 अंक)**

1. आजमगढ़ की ओर जाने का क्या उद्देश्य था?

उत्तर- इलाहाबाद और बनारस पर आक्रमण करके शत्रुओं को पराजित करके जगदीशपुर पर अधिकार जमाना आजमगढ़ जाने का मुख्य उद्देश्य था।

2. कुँवर सिंह के जन्म और जगह के बारे में बताईये।

उत्तर- कुँवर सिंह का जन्म बिहार के शाहाबाद जिले के जगदीशपुर में सन् 1782 ई० में हुआ था।

3. कुँवर सिंह ने आरा पर विजय कब प्राप्त किया था?

उत्तर- 27 जुलाई 1857 को कुँवर सिंह ने अंग्रेजो को हारकर, आरा पर विजय प्राप्त किया था।

4. सोनपुर मेला के बारे में कुछ बताईये।

उत्तर- सोनपुर मेला को एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला माना जाता है। यह मेला पूर्णिमा के अवसर पर लगता है। जानवरों के क्रय-विक्रय का बहुत बड़ा साधन है।

5. बसुरिया बाबा कौन थे?

उत्तर- जगदीशपुर के जंगलों में एक सिद्ध संत रहते थे, जिनका नाम बसुरिया बाबा था। वह देशभक्ति और स्वाधीनता का पाठ पढाने के लिए मशहूर है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

1. वीर कुँवर सिंह के बचपन के बारे में बताईये।

उत्तर- वीर कुँवर सिंह के बचपन के बारे में इतिहास के पन्नो में कुछ ज्यादा चीज़े दर्ज नहीं है। यह कहा जाता है कि उनका जन्म सन् 1782 ई० को बिहार के शाहाबाद में हुआ था। इनके पिता साहबजादा सिंह जगदीशपुर रियासत के जमींदार थे। कुँवर ने अपनी पढाई घर पर ही
ही की है। उन्होंने हिंदी, संस्कृत, फारसी वगैरह सीखी। घुड़सवारी और तलवारबाजी उनके प्रमुख खेल थे।

2. स्वंतन्त्रतता संग्राम में कुँवर सिंह के अलावा और वीर-सपूतो के नाम और त्याग पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- स्वंतन्त्रतता संग्राम के लिए जान की बाजी लगाने वाले कुँवर सिंह अकेले नही थे। इनके साथ अनेक लोगों ने अपने प्राण की क़ुरबानी दी। विद्रोह के मुख्य नेताओं में नाना साहेब, तांत्या टोपे, बख्त खान, अजिमुल्ला खान, रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हजरत महल आदि ने भी बहुत पराक्रम दिखाया और स्वंतत्रता के लिए अपने प्राण की आहुति दे दिया।

3. दिल्ली के अतरिक्त कहाँ-कहाँ पर युद्ध हुए थे?

उत्तर- 1857 में जब स्वंतत्रता का बिगुल फूंका तो मेरठ से शुरू होकर दिल्ली तक पहुंचा। जगह-जगह कई महीनो तक लगातार विद्रोह होते रहे। दिल्ली के अलावा उत्तरी भारत के बहुत सारे हिस्सों में भीषण युद्ध हुए। कानपुर, लखनऊ, बुंदेलखंड, आरा, और बरेली जैसे जगहों से अंग्रेजो को काफी गुस्सा और विद्रोह झेलने को मिला।

4. मेरठ में भारतीय सैनिको के आन्दोलन पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- 10 मई 1857 को मेरठ में भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश अधिकारीयों के विरुद्ध आन्दोलन किया। सीधे दिल्ली तक कूच

किया और दिल्ली में तैनात सिपाहियों के साथ मिलकर 11 मई को दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया। बहादुरशाह जफ़र को जोकि अंतिम मुग़ल शासक थे, को अपना बादशाह चुना।

5. वीर कुँवर सिंह के द्वारा किये गये सामाजिक कार्यो का वर्णन करिये।

उत्तर- ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लेने के अलावा कुँवर सिंह ने अनेक सामाजिक कार्य भी किया। आरा जिला में स्कुल के लिए जमीन दान दी। अपने रियासत का आर्थिक स्थिति सही ना होने के बावजूद भी स्कुल के लिए भवन का निर्माण कराया। कुँवर सिंह हमेशा ही निर्धन और गरीबों का सहायता करते थे। सड़क निर्माण से लेकर कुआं खुदवाने तक का सामाजिक कार्य आपने किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1. कुँवर सिंह के अंतिम दिनों के बार में लिखिए।

उत्तर- कुँवर सिंह अपने जीवन के अंतिम दिनों में बहुत बुढे हों जाने के वावजूद हार नहीं माने। वह अपने देहांत के तीन दिन पहले तक युद्ध लड़े और जगदीशपुर पर विजय पताका

फहराए। लेकिन दुर्भाग्य से उनको इस विजय का आनंद लेने का मौका नहीं मिला। झंडारोहण के तीन बाद ही 26 अप्रैल 1858 को यह वीर इस संसार से विदा होकर अपनी अमर कहानी छोड़ गया।

2. जगदीशपुर में कुँवर सिंह की सेना क्यों परास्त हो गयी?

उत्तर- आरा विजय के बाद कुँवर सिंह की उम्र काफी हो गयी थी। वह बूढ़े हो चले थे यधपि उन्होंने अभी भी हार नहीं मानी थी। आरा में मिले युद्ध विजय से वह बहुत प्रसन्न थे। आरा क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। आरा की लड़ाई की ज्वाला बिहार में सर्वत्र व्याप्त हो गयी थी। लेकिन देशी सैनिकों में अनुशासन की कमी, स्थानीय जमीदारों का अंग्रेजों के साथ सहयोग करना एवं आधुनिक हथियारों की कमी जगदीशपुर के पतन को नहीं रोक सका और 13 अगस्त को जगदीशपुर की सेना अंग्रेजों के हाथों परास्त हो गयी।

3. कुँवर सिंह आजमगढ़ क्यों गये?

उत्तर- 13 अगस्त को जगदीशपुर की सेना जब अंग्रेजों के हाथों परास्त हो गयी। तो वीरवर कुँवर सिंह ने कुछ अलग करने को सोचा। वह क्रांति के अन्य सिपाहियों के साथ

मिलकर मिर्जापुर होते हुए रीवा, कालपी, लखनऊ और कानपुर पहुंचे। लखनऊ में शांति ना होने की वजह से वह आजमगढ़ जा पहंचे। वह जगह-जगह घूमकर आजादी के क्रांति को प्रजवलित कर और लोगों को इकट्ठा करने का काम कर रहे थे। उनका आजमगढ़ जाने का मुख्य उदेश्य इलाहाबाद और बनारस पर आक्रमण कर उनको पराजित कर, अपने जगदीशपुर की रियासत पर अधिकार करना था।

4. आरा विजय पर संक्षिप्त टिप्पड़ी करे!

उत्तर- 25 जुलाई 1857 को दानापुर की सैनिक टुकड़ी ने विद्रोह कर दिया और सोन नदी पार कर आरा की ओर चल पड़े। कुँवर सिंह ने इसमें उनका साथ दिया और वह भी इन बागी सैनिको के साथ हो लिए। मुक्तिवाहिनी के सभी बागी सैनिक कुँवर सिंह का उद्घोष करते हुए आरा जेल पंहुचे और सलाखें तोड़कर कैदियों को आजाद कर दिया। 27 जुलाई 1857 को कुँवर सिंह ने आरा पर विजय प्राप्त किया। इस पर सिपाहियों ने कुँवर सिंह को फ़ौजी सलामी दी।

5. गंगा पार करते समय वीर कुँवर सिंह के साथ क्या घटना घटित हुई?

उत्तर- ऐसा कहा जाता है कि कुँवर सिंह अपने सेना के साथ गंगा पार कर रहे थे। अंग्रेजी सेना उनका निरतंर पीछा कर रही थी। उन्होंने नदी पार करने से पहले एक अफवाह फैला दी, वह अपने सैनिको को बलिया के पास हाथियों पर चढ़ाकर पार करायेंगे। अंग्रेज सेनापति डगलस बहुत बड़ी सेना लेकर वहां पहुंचा था। लेकिन कुँवर सिंह ने बलिया से सात मिल दूर शिवराजपुर नमक स्थान से ही सेना को नावों के जरिये गंगा पार करा दी। डगलस को जब तक यह सुचना मिली। सेना नदी उस पर जा चुकी थी। कुँवर सिंह एक मात्र बचे थे, जो नदी इस तरफ थे। तभी अंग्रजो ने गोलियाँ बरसानी शुरू कर दी, एक गोली कुँवर सिंह के बाएँ हाथ पर जा लगी और उनका वह हाथ बेकार हो गया। कुँवर सिंह ने गोली के जहर के फैलने की डर से हाथ काटकर गंगा को सौप दिया।